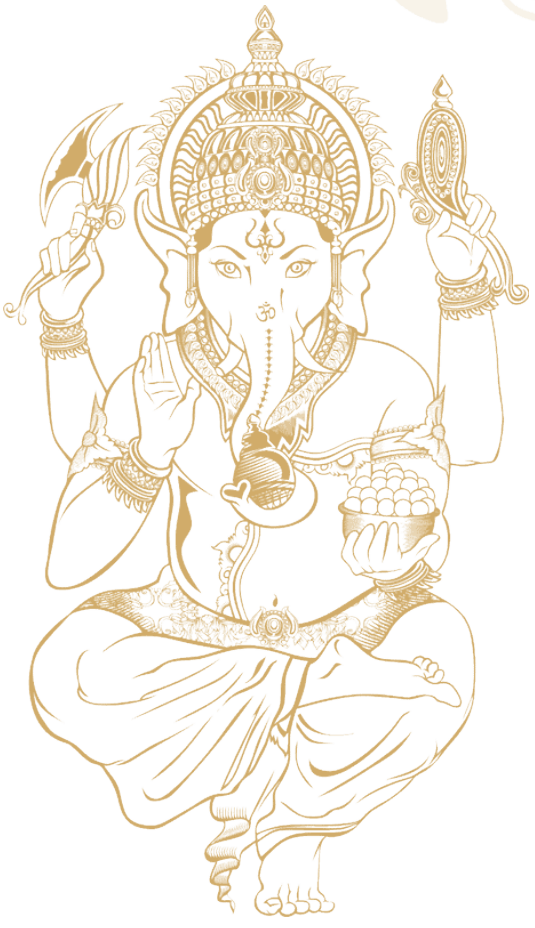

Mr.

03 Mar 2026

10:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121690606

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/03/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	39:23:29 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:57 घंटे
साम्पातिक काल	08:54:48 घंटे
सूर्योदय	06:44:36 घंटे
सूर्यास्त	18:22:00 घंटे
दिनमान	11:37:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	18:53:53 कुम्भ
लग्न के अंश	13:53:33 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	धृति
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:53:33	309:35:11	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	18:53:53	01:00:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	21:38:34	13:13:58	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	06:39:12	00:47:17	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	26:05:45	00:46:24	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:57:12	00:01:27	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	02:21:53	01:14:44	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	उच्च राशि
शनि			मीन	07:49:26	00:07:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:45:30	00:00:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:45:30	00:00:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:34:09	00:01:26	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:55:02	00:02:11	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:22:51	00:01:35	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	17:01:15	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

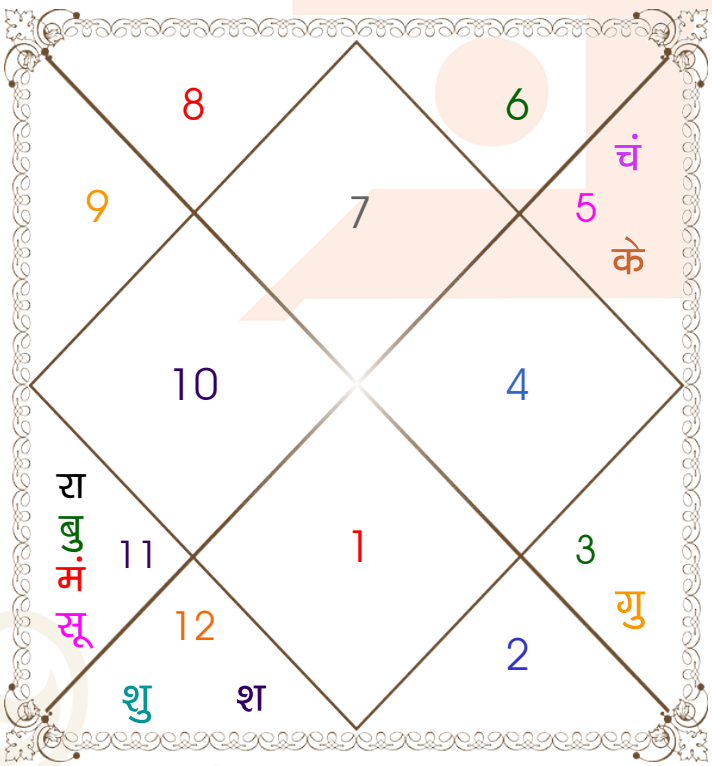

चन्द्र कुंडली

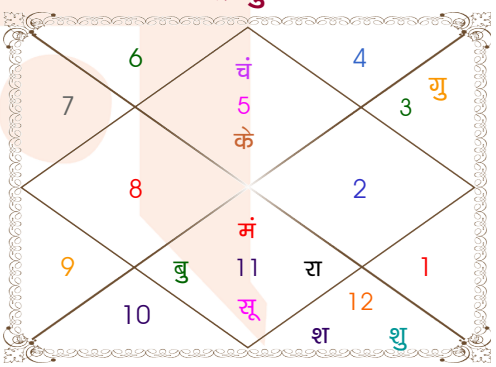

नवमांश कुंडली

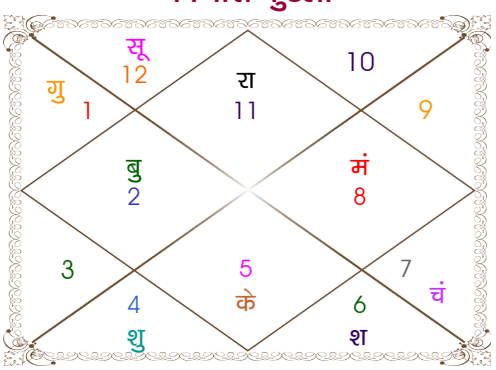

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 6 मास 13 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/03/2026		15/09/2033		15/09/2039		15/09/2049		15/09/2056	
15/09/2033		15/09/2039		15/09/2049		15/09/2056		15/09/2074	
	00/00/0000	सूर्य	03/01/2034	चंद्र	16/07/2040	मंगल	11/02/2050	राहु	29/05/2059
	00/00/0000	चंद्र	04/07/2034	मंगल	14/02/2041	राहु	02/03/2051	गुरु	21/10/2061
	00/00/0000	मंगल	09/11/2034	राहु	16/08/2042	गुरु	05/02/2052	शनि	27/08/2064
	00/00/0000	राहु	04/10/2035	गुरु	16/12/2043	शनि	16/03/2053	बुध	17/03/2067
	03/03/2026	गुरु	22/07/2036	शनि	16/07/2045	बुध	14/03/2054	केतु	03/04/2068
गुरु	16/07/2026	शनि	04/07/2037	बुध	15/12/2046	केतु	10/08/2054	शुक्र	04/04/2071
शनि	15/09/2029	बुध	10/05/2038	केतु	17/07/2047	शुक्र	10/10/2055	सूर्य	27/02/2072
बुध	16/07/2032	केतु	15/09/2038	शुक्र	16/03/2049	सूर्य	15/02/2056	चंद्र	28/08/2073
केतु	15/09/2033	शुक्र	15/09/2039	सूर्य	15/09/2049	चंद्र	15/09/2056	मंगल	15/09/2074

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/09/2074		15/09/2090		16/09/2109		16/09/2126		16/09/2133	
15/09/2090		16/09/2109		16/09/2126		16/09/2133		00/00/0000	
गुरु	02/11/2076	शनि	18/09/2093	बुध	13/02/2112	केतु	12/02/2127	शुक्र	15/01/2137
शनि	17/05/2079	बुध	28/05/2096	केतु	09/02/2113	शुक्र	13/04/2128	सूर्य	16/01/2138
बुध	22/08/2081	केतु	07/07/2097	शुक्र	11/12/2115	सूर्य	19/08/2128	चंद्र	16/09/2139
केतु	28/07/2082	शुक्र	07/09/2100	सूर्य	16/10/2116	चंद्र	20/03/2129	मंगल	16/11/2140
शुक्र	28/03/2085	सूर्य	20/08/2101	चंद्र	18/03/2118	मंगल	16/08/2129	राहु	16/11/2143
सूर्य	15/01/2086	चंद्र	21/03/2103	मंगल	15/03/2119	राहु	04/09/2130	गुरु	04/03/2146
चंद्र	17/05/2087	मंगल	29/04/2104	राहु	01/10/2121	गुरु	11/08/2131		00/00/0000
मंगल	22/04/2088	राहु	06/03/2107	गुरु	07/01/2124	शनि	19/09/2132		00/00/0000
राहु	15/09/2090	गुरु	16/09/2109	शनि	16/09/2126	बुध	16/09/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 7 वर्ष 7 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।